पाठ - 33 : तीन लघुकथाएँ

मुख्य विषय

गद्य साहित्य की सबसे छोटी और हृदय पर सीधे प्रभाव डालने वाली विधा लघुकथा होती है। इस पाठ में तीन लघुकथाएँ हैं जिनके माध्यम से महत्वपूर्ण संदेश मिलते हैं -

- पहली है, तमिल भाषाभाषी सुविख्यात लेखक 'सुब्रहमण्यम् भारती' द्वारा लिखित 'कवि और लोहार',
- दूसरी लघुकथा का शीर्षक है 'क्या नहीं कर सकता'। यह एक मणिपुरी लघुकथा है जिसके लेखक 'इबोहलसिंह कांग्जम' हैं।
- तीसरी है बांग्ला लेखक 'बनफूल' की लिखी 'सड़क का आदमी'।

मुख्य बिंदु

कवि और लोहार

- पहली कहानी यह बताती है कि सभी को अपना कार्य बहुत प्यारा होता है चाहे वह लोहार हो या कवि। सभी को अपने कार्य करने के माध्यम भी बहुत प्यारे होते हैं चाहे वे औजार हों या शब्द। कोई भी उनमें बेतरतीबी नहीं देख सकता। मान लीजिए आप एक कलाकार हैं तो क्या आप अपने रंगों को ऐसे बिखरे हुए सहन कर पाएँगे या आपका बुरश कोई उठा कर कहीं फेक दे तो क्या आपको अच्छा लगेगा?
- इसी प्रकार कवि को भी अपने लिखे गीत के शब्दों की तोड़-मरोड़ पसंद नहीं आई और उसने उस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। कोई भी व्यवसाय छोटा अथवा बड़ा नहीं होता। व्यक्ति को अपना व्यवसाय तो पसंद होता ही है साथ ही दूसरे के कार्य को सम्मान देना भी उसका कर्तव्य बनता है।

क्या नहीं कर सकता

- इस लघुकथा में बादल और हवा के बीच संवाद के माध्यम यह अभिव्यक्त किया गया है कि आजकल भ्रष्टाचार के युग में आदमी कुछ भी कर सकता है। यही सोच कर बादल बार-बार विचार कर रहा है कि बरसे या न बरसे। हवा उसकी मदद करने पहुँचती है परंतु बादल उसे भी निरुत्तर कर देता है। भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। ज़रा सा बादल बरसेगा और आदमी उसे नकली बाढ़ का रूप तुरंत कागजों पर दिखा कर अपना लाभ कमा लेगा। कथाकार ने आज के बढ़ते भ्रष्टाचार पर तीखा व्यंग्य कर स्थिति को उभारा है।

सड़क का आदमी

- यदि आपके कुछ सिद्धांत हैं तो अगला व्यक्ति भी अपना सम्मान और सिद्धांत रखता है। यदि आप दृढ़ संकल्प हैं तो अन्य व्यक्ति चाहे उसका कोई भी व्यवसाय हो अपने संस्कार, संकल्प और आत्मसम्मान रखता है। यह बात सोच कर, समझ कर दूसरों का सम्मान करना आवश्यक है। इस लघुकथा में इसी बात को एक घटना के द्वारा खोला गया है। माना राघव सरकार बहुत पढ़े-लिखे, सिद्धांतवादी, आदर्शवादी, दृढ़ संकल्प वाले व्यक्ति हैं पर वह यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं एक रिक्शेवाले के अपने आदर्श और सिद्धांत नहीं हो सकते। छोटा काम करने वाला, दिखने में

कृशकाय, निरीह व्यक्ति बिल्कुल वैसा ही करे जैसा कि सरकार राघव चाहते हैं।

- ऐसा संभव नहीं है प्रत्येक व्यक्ति की अपनी पहचान होती है जिसे वह बरकरार रखने में अपना सब कुछ न्यौछावर कर देता है। रिक्शा चलाने वाले का भी अपना सम्मान है जिसे उसने बना कर रखा है। क्या आप रिक्शेवाले के दुख का अनुमान लगा सकते हैं जब राघव सरकार ने रिक्शे पर चढ़ने से इसलिए मना कर दिया क्यों कि वे मानते है कि रिक्शे पर चढ़ना पाप है। यहाँ राघव सरकार ने दूसरे के व्यवसाय को, उसकी रोजी-रोटी कमाने के माध्यम को तिरस्कृत किया, उसका अपमान किया जिसका उत्तर रिक्शेवाले ने यह कह दिया कि हम किसी से भीख नहीं माँगते। गरीब व्यक्ति का भी आत्मसम्मान होता है और वह उसकी रक्षा करता है।

अपना मूल्यांकन कीजिए

- 'सड़क का आदमी' कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? स्पष्ट कीजिए।
- लेखक ने बादल और हवा के बीच संवाद को आधार बनाकर लघु कथा को क्यों लिखा? अपने विचार व्यक्त कीजिए।
- लघु कथा की विशेषताओं के आधार पर 'कवि और लोहार' कहानी की समीक्षा कीजिए।